पर्यटन अध्ययन

बीटीएस
द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य पुस्तिका
(2018)

टीएस–4 और टीएस–5

पर्यटन एवं आतिथ्य सेवा प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

बीटीएस सत्रीय कार्य

पर्यटन अध्ययन सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

आपको पर्यटन अध्ययन के प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना है।

सत्रीय कार्य को करने से पहले कृपया पर्यटन अध्ययन की कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। हम आपको टीएस–4 और टीएस–5 के सत्रीय कार्य भेज रहे हैं।

नोटः सभी सत्रीय कार्यों को समय पर अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें। अपने सत्रीय कार्य के मुख पृष्ठ पर अपनी नामांकन सं., नाम, पता, सत्रीय कार्य कोड एवं अध्ययन केंद्र कोड लिखें।

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के बदले में अपने अध्ययन केंद्र से उसकी रसीद प्राप्त कर लें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास रखें।

मूल्यांकन के बाद, अध्ययन केंद्र द्वारा आपको सत्रीय कार्य वापस भेजा जाना अपेक्षित है। कृपया इसके लिए अनुरोध करें और रिकॉर्ड के रूप में इसे अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र सत्रीय कार्यों के अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजता है।

सत्रीय कार्य करने के लिए निर्देश

हम आपसे प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों के बीच देने अथवा जैसा सत्रीय कार्य में उल्लेख किया गया है, के अनुसार देने की आशा करते हैं। निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना आपके लिए उपयोगी होगाः

1) योजना बनानाः सत्रीय कार्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। उन इकाइयों का अध्ययन करें जिन पर ये सत्रीय कार्य आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ बातें नोट कर लें और तत्पश्चात उन्हें तर्कसंगत क्रम से व्यवस्थित करें।

2) संगठनः अपने उत्तरों की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले उनके चयन और विश्लेषण पर थोड़ा अधिक ध्यान दें। निबंध जैसे किसी प्रश्न का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें किः
   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है।
   ख) उत्तर के वाक्यों और अनुच्छेदों/पैराग्राफों के बीच स्पष्ट संबंध है।
   ग) आपने अपनी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति को उपयुक्त महत्व देते हुए उत्तर सही–सही लिखा है।

3) प्रस्तुतिः जब आपको अपने उत्तर संतोषजनक लगें तो आप उन्हें भेजने के लिए अंतिम रूप देकर लिख लें। प्रत्येक उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित करें।

शुभकामनाओं सहित,

डॉ.अरविन्द कुमार दुबे
कार्यक्रम संयोजक, बीटीएस

सत्रीय कार्य जमा कराने की अनुसूची

अनिवार्य पाठ्यक्रम	ज्नवरी 18 सत्र के लिए अंतिम तिथि	जुलाई 18 सत्र के लिए अंतिम तिथि
टीएस–4	अप्रैल 15, 2018	अक्तूबर 15, 2018
टीएस–5	अक्तूबर 15, 2018	अप्रैल 15, 2019

टीएस-4 : भारतीय संस्कृति : पर्यटन के लिए परिप्रेक्ष्य

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : टीएस-4 **कार्यक्रम : बीटीएस**

कुल अंक : 100 **सत्रीय कार्य कोड : टीएस-4/टीएमए/2018**

नोट : किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर लगभग 600-600 शब्दों में दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान है. अपना टीएमए अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।

1. भारतीय सांस्कृतिक विरासत की मुख्य विशेषताओं का विस्तार से वर्णन कीजिए। 20

2. भारत के प्रमुख रीति-रिवाजों और अनुष्ठानों की चर्चा करें? उपयुक्त उदाहरण भी दें। 20

3. आधुनिक भारतीय थियेटर की मुख्य विशेषताएं क्या हैं? 20

4. भारत में संगीत के विभिन्न रूपों का मूल्यांकन एवं इसकी उत्पत्ति का परीक्षण कीजिए। 20

5. स्मारकों के निर्माण में गुलाम राजवंश का क्या योगदान है? उपयुक्त उदाहरणों से अपने उत्तर को सिद्ध कीजिए। 20

6. हड़प्पा सभ्यता के अंतर्गत पाए जाने वाले प्रमुख पुरातात्विक अवशेषों की चर्चा कीजिए। 20

7. भारत के काष्ठ-शिल्प और उसके उत्पादन के केंद्र पर एक नोट लिखिए। 20

8. भारत में आदिवासी समाज का एक विवरण दीजिए। क्या आप पर्यटन विकास के लिए आदिवासी संसाधनों के उपयोग की अनुशंसा करना चाहेंगे? 20

9. मीडिया की टाइपोलाजी पर चर्चा कीजिए. वे संस्कृति को कैसे बढ़ावा देते हैं? समझाइए। 20

10. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिपण्णी लिखिए : 10x2=20

क) विविधता में एकता

ख) कुम्भ मेला

टीएस-5 : पारिस्थितिकी, पर्यावरण और पर्यटन

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : टीएस-5 कार्यक्रम : बीटीएस

कुल अंक : 100 सत्रीय कार्य कोड : टीएस-5/टीएमए/2018

नोट : किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर लगभग 600-600 शब्दों में दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान है. अपना टीएमए अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें ।

1. जैव-विविधता को परिभाषित कीजिए. जैव-विविधता के नुकसान के विभिन्न कारणों की गणना कीजिए व वे कैसे मानव जीवन को प्रभावित करते हैं? 20

2. निम्नलिखित पर लगभग 150-150 शब्दों में संक्षिप्त टिपण्णी कीजिए ।

   क) अजैविक तत्व ख) जैविक तत्व 5x4=20

   ग) बायोम घ) वेब भोजन

3. भारतीय दार्शनिक परंपरा में पर्यावरण की अवधारणा पर चर्चा कीजिये । 20

4. प्राकृतिक पर्यावरण और पर्यटन विकास के बीच के संबंधों पर एक विस्तृत टिपण्णी कीजिए । 20

5. आर्द्रभूमि(Wetlands) क्या हैं? आर्द्रभूमियां(Wetlands) क्या प्रमुख पारिस्थितिकीय कार्य करती हैं? 20

6. भारत सरकार द्वारा पर्यावरण बचाव व संरक्षण के लिए उठाए गए कदमों का एक विवरण दें ।20

7. वैकल्पिक पर्यटन की अवधारणा की उससे जुड़ी समस्याओं और लाभों का विवरण देते हुए चर्चा कीजिए । 20

8. पर्यटन स्थलों के सतत विकास के लिए पर्यटकों और स्थानीय समुदाय की जिम्मेदारी और भूमिका की चर्चा करें 20

9. नियोजित बनाम अनियोजित पर्यटन स्थलों के प्रभाव की तुलना करें और उनका विश्लेषण करें । 20

10. होटल पर्यावरण के नकारात्मक प्रभावों को कैसे कम कर सकते हैं? उपयुक्त उदाहरण दीजिए । 20